

शाला



चित्रांकन: स्वेथा नाम्बियार



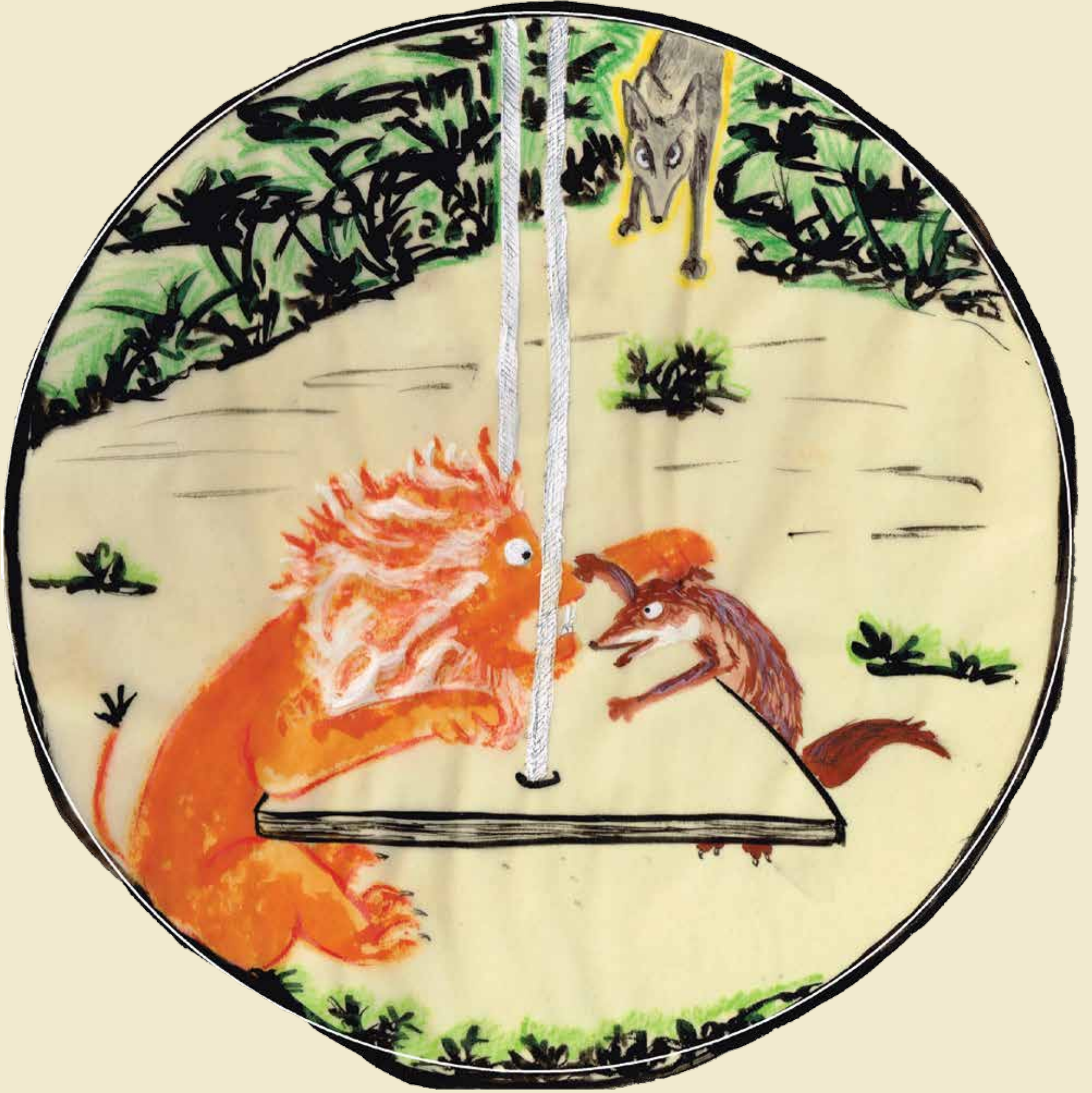
एक डांग में एक लड़इया और एक शेर
रत ते। दोईयन में पक्की दोस्ती हती।



दोइयन ने मिलकेँ एक झूला डारो।
बे दोई एक-एक करकेँ झूला झूलत ते।



एक दिना दोईयन में बेजां लराई भई।



तबई उते एक लोमड़ी आ गई।
ऊनें पूछी, “काय लर रये?”



शेर बोलो, “जो लड़इया बड़ो बेईमंटा है।
खुद तो बीस दार झूला झूलत और बतात
दस दार है। और हमाए दस दार के झूला
खों बीस दार बताऊत है।”



लड़इया बोलो, “जो शेर झुट्टा है, गिनवो
तो जानत नईयाँ ओर ऊपर से अपने पैने
पंजन से डराउत है।”



सो लोमड़ी बोली, “शेर तनक अपनी
बुद्धि लगा लय करे।” हर जगा ताक़्त
नई दिखाई जात।



शेर बोला, “इते ताक़तई चलत,
बुद्धि नई चलत।” येसी के कैं शेर
लोमड़ी खों मारवे दौरो।



लोमड़ी ने गदबद दे लई, भगत भगत
लोमड़ी पेड़ के तना में बने छेद से
खुलक गयी।



लेकिन शेर, बीचई में फस गयो, काये के
शेर बड़ो हतो। अब लोमड़ी खिलखिला के
दाँत काड़न लगी ओर बोली देख लओ, इते
अकल चलत है, ताक़त नई।

झूला

एक डांग में एक लड़इया और एक शेर रत ते। दोइयन में पक्की दोस्ती हती। दोइयन ने मिलके एक झूला डारो। बे दोई एक-एक करके झूला झूलत ते। एक दिना दोइयन में बेजां लराई भई। तबई उते एक लोमड़ी आ गई। ऊनें पूछी, “काय लर रये?” शेर बोलो, “जो लड़इया बड़ो बेईमंटा है। खुद तो बीस दार झूला झूलत और बतात दस दार है। और हमाए दस दार के झूला खों बीस दार बताऊत है।” लड़इया बोलो, “जो शेर झुट्टा है, गिनवो तो जानत नईयाँ ओर ऊपर से अपने पैने पंजन से डराउत है।” सो लोमड़ी बोली, “शेर तनक अपनी बुद्धि लगा लय करे।” हर जगा ताकत नई दिखाई जात। शेर बोला, “इते ताकतई चलत, बुद्धि नई चलत।” येसी के के शेर लोमड़ी खों मारवे दौरो। लोमड़ी ने गदबद दे लई, भगत भगत लोमड़ी पेड़ के तना में बने छेद से खुलक गयी। लेकिन शेर, बीचई में फस गयो, काये के शेर बड़ो हतो। अब लोमड़ी खिलखिला के दाँत काड़न लगी ओर बोली देख लओ, इते अकल चलत है, ताकत नई।

किताब के बारे में:

यह कहानी बिहार की कक्षा-1 की पाठ्यपुस्तक अंकुर के पाठ ‘शेर और सियार’ पर आधारित है। यह किताब बुन्देली भाषा में उपलब्ध है।

एल.एल.एफ के बारे में:

नई दिल्ली स्थित लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (एल.एल.एफ.) शैक्षिक संस्था के तौर पर प्रारम्भिक भाषा शिक्षण से जुड़े आयामों पर काम कर रही है। बहुभाषी शिक्षण के तहत शुरूआती कक्षाओं में बच्चों की घर की भाषा में विकसित पठन सामग्री की भूमिका अहम होती है। यह कार्यक्रम क्षेत्रिय भाषा की विषयवस्तु पर आधारित एक पहल है।